मेरी याद है मेरी इंद्रधनुष।

अरे मेरी ईश्वर,
मेरी मन की इंद्रधनुष गायब नहीं होता।
लेकिन कैसे है यह?
अब मैं इसकी चिंता में है।

अरे मेरी ईश्वर,
मेरी मन की इंद्रधनुष मेरी परिवार है।
लेकिन मेरी परिवार,
उस प्रलय में गायब होती।

अरे मेरी ईश्वर,
मेरी चिंता से मैं एक कार्य समझा।
वह कोई नहीं है,
अब मेरी जीवन मेरी परिवार की याद में है।

अरे मेरी ईश्वर,
इन्द्रधनुष रंग-बिरंग से सुन्दर है।
इसी तरह है,
मेरी परिबार की याद।

अरे मेरी ईश्वर,
मेरी परिवार की याद में सभी खुशी है।
लेकिन कुछ समय,
जीवन की आँसू होता है।

अरे मेरी ईश्वर,
इस दुनिया में विभिन्न परिवार है।
लेकिन मेरी ईश्वर,
मेरी हाथ में परिवार की याद है।

अरे मेरी ईश्वर,
अब मैं एक कार्य समझा।
वह कोई नही है,
~~एक~~ एक जादू है।

अरे मेरी ईश्वर,
तुम्हारी इंद्रजाल से मेरी जीवन प्रकाश हुई।
इसकी कारण है,
मेरी मन की इंद्रधनुष गायब नहीं होता।

अरे मेरी ईश्वर,
तुम्हारी कृपा है मेरी जीवन।
और मेरी ईश्वर,
तुम्हारी इंद्रजाल है मेरी मन।

अरे मेरी ईश्वर,
मेरी प्रिय ईश्वर, मेरी प्रिय माँ,
तुम्हारी कृपा से,
मेरी भूख मिलना.....।